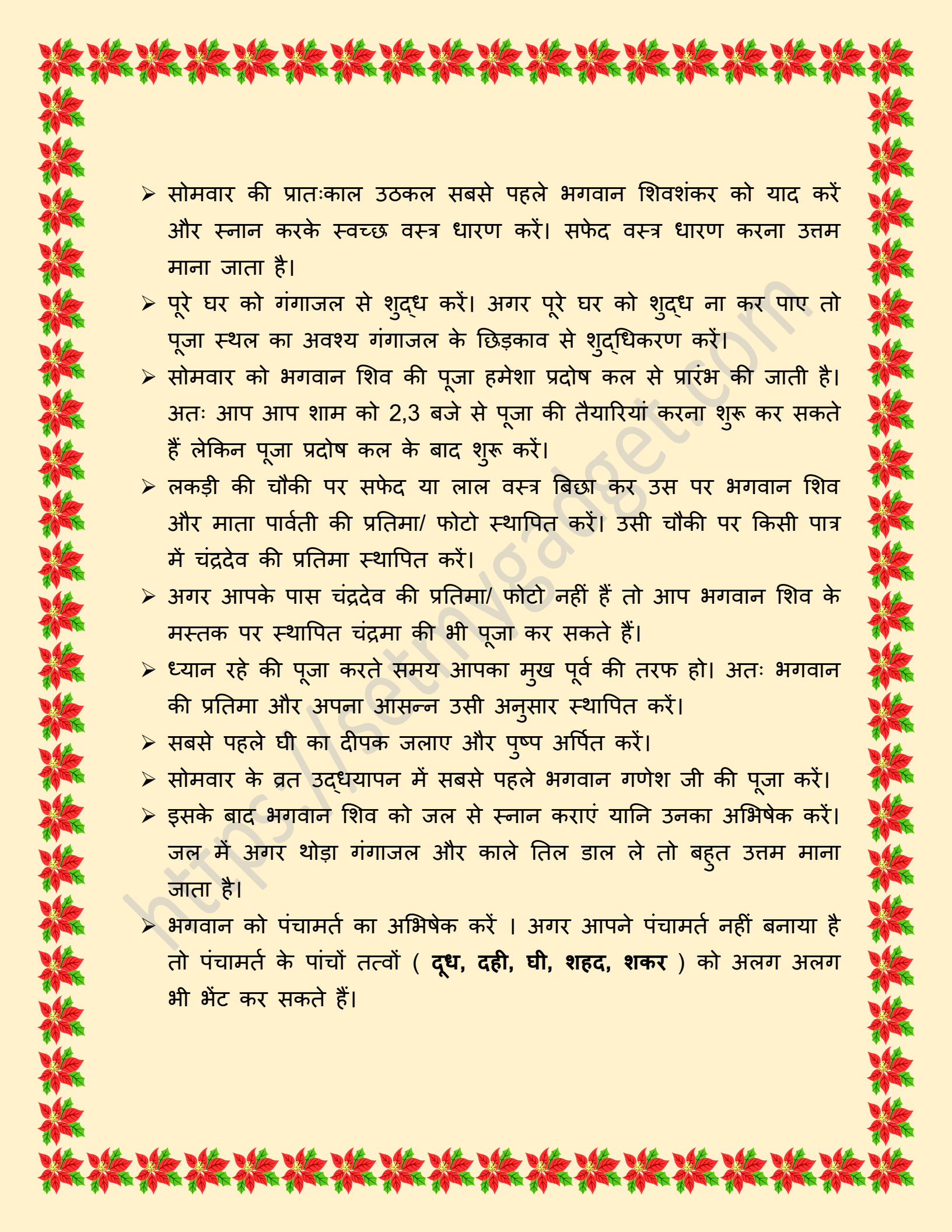
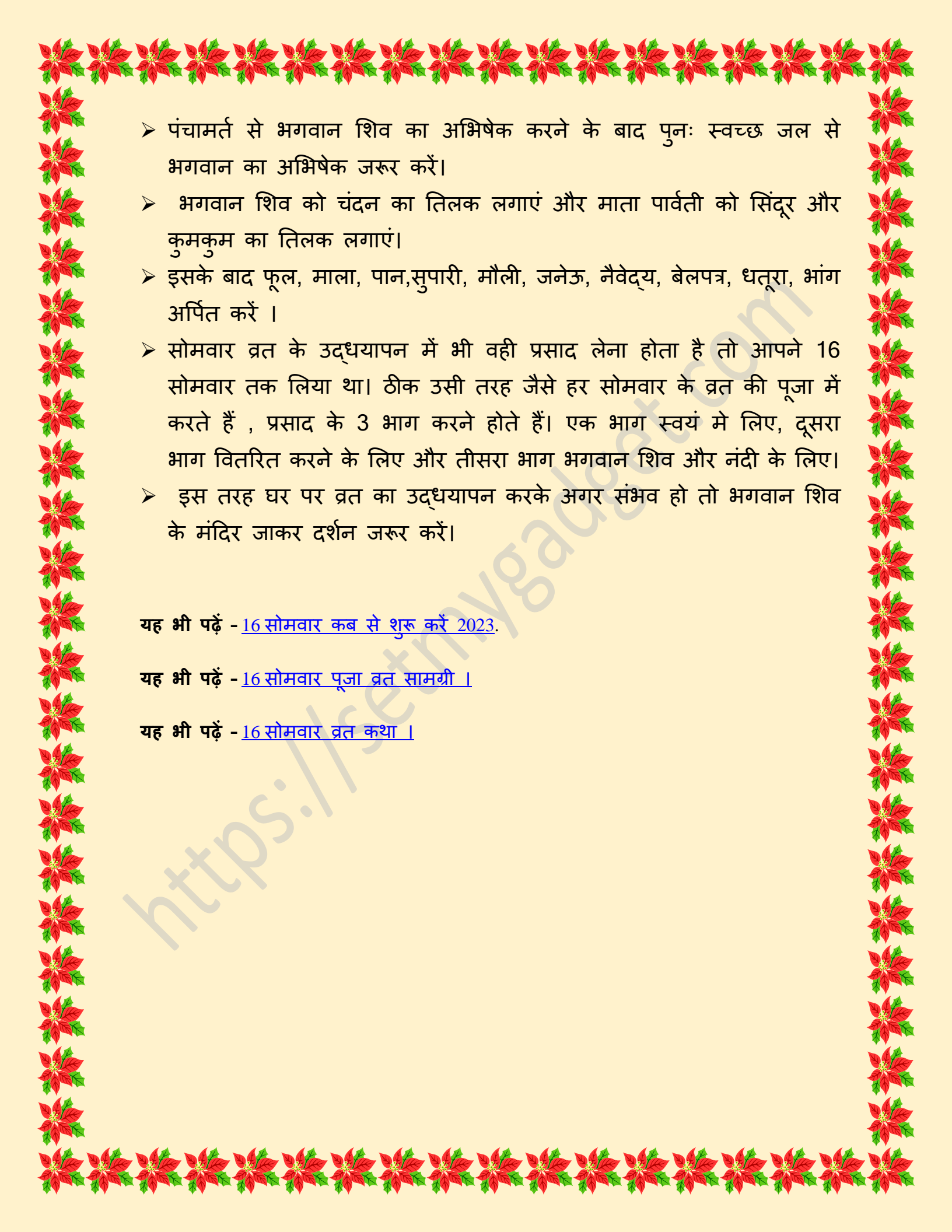


सोलह सोमवार व्रत उद्यापन की सम्पूर्ण विधि

16 सोमवार व्रत उद्घापन विधि



- 
- सोमवार की प्रातःकाल उठकल सबसे पहले भगवान शिवशंकर को याद करें और स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। सफेद वस्त्र धारण करना उत्तम माना जाता है।
 - पूरे घर को गंगाजल से शुद्ध करें। अगर पूरे घर को शुद्ध ना कर पाए तो पूजा स्थल का अवश्य गंगाजल के छिड़काव से शुद्धिकरण करें।
 - सोमवार को भगवान शिव की पूजा हमेशा प्रदोष कल से प्रारंभ की जाती है। अतः आप आप शाम को 2,3 बजे से पूजा की तैयारियां करना शुरू कर सकते हैं लेकिन पूजा प्रदोष कल के बाद शुरू करें।
 - लकड़ी की चौकी पर सफेद या लाल वस्त्र बिछा कर उस पर भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा/ फोटो स्थापित करें। उसी चौकी पर किसी पात्र में चंद्रदेव की प्रतिमा स्थापित करें।
 - अगर आपके पास चंद्रदेव की प्रतिमा/ फोटो नहीं हैं तो आप भगवान शिव के मस्तक पर स्थापित चंद्रमा की भी पूजा कर सकते हैं।
 - ध्यान रहे की पूजा करते समय आपका मुख पूर्व की तरफ हो। अतः भगवान की प्रतिमा और अपना आसन्न उसी अनुसार स्थापित करें।
 - सबसे पहले घी का दीपक जलाए और पुष्प अर्पित करें।
 - सोमवार के व्रत उद्धयापन में सबसे पहले भगवान गणेश जी की पूजा करें।
 - इसके बाद भगवान शिव को जल से स्नान कराएं यानि उनका अभिषेक करें। जल में अगर थोड़ा गंगाजल और काले तिल डाल ले तो बहुत उत्तम माना जाता है।
 - भगवान को पंचामर्त का अभिषेक करें । अगर आपने पंचामर्त नहीं बनाया है तो पंचामर्त के पांचों तत्वों (दूध, दही, घी, शहद, शकर) को अलग अलग भी भेंट कर सकते हैं।

- 
- पंचामर्त से भगवान शिव का अभिषेक करने के बाद पुनः स्वच्छ जल से भगवान का अभिषेक जरूर करें।
 - भगवान शिव को चंदन का तिलक लगाएं और माता पार्वती को सिंदूर और कुमकुम का तिलक लगाएं।
 - इसके बाद फूल, माला, पान, सुपारी, मौली, जनेऊ, नैवेद्य, बेलपत्र, धतूरा, भांग अर्पित करें ।
 - सोमवार व्रत के उद्घ्यापन में भी वही प्रसाद लेना होता है तो आपने 16 सोमवार तक लिया था। ठीक उसी तरह जैसे हर सोमवार के व्रत की पूजा में करते हैं , प्रसाद के 3 भाग करने होते हैं। एक भाग स्वयं मे लिए, दूसरा भाग वितरित करने के लिए और तीसरा भाग भगवान शिव और नंदी के लिए।
 - इस तरह घर पर व्रत का उद्घ्यापन करके अगर संभव हो तो भगवान शिव के मंदिर जाकर दर्शन जरूर करें।

यह भी पढ़ें - [16 सोमवार कब से शुरू करें 2023.](#)

यह भी पढ़ें - [16 सोमवार पूजा व्रत सामग्री ।](#)

यह भी पढ़ें - [16 सोमवार व्रत कथा ।](#)